वार्तालाप-584, कोलकाता, दिनांक 15.06.08
Disc.CD No.584, dated 15.06.08 at Kolkata
Extracts-Part-1

समयः 00.20-01.05

जिज्ञासुः ये पूछते हैं लास्ट में सभी संतुष्ट होगा अपना-अपना पार्ट पर। पर किसी का पार्ट किसी का पार्ट से अंतर होगा। तो बोलते हैं एक दूसरे के प्रति क्रोध नहीं होगा?

बाबाः अभी तो अनिश्चयबुद्धि होते हैं तो बाप के ऊपर सबको क्रोध आता है। फिर जब बात सारी प्रत्यक्ष हो जाएगी, ज्ञान क्लीयर हो जावेगा, तो कोई ऊँच नीच वाली बात नहीं रहेगी। यथा राजा तथा प्रजा।

Time: 00.20-01.05
Student: He is asking: everyone will be satisfied with his own part in the last. But one's part will be different from the other. So he is asking, will they not be angry with each other?
Baba: Now, when they develop a doubtful intellect, everyone becomes angry with the Father. Later, when everything is revealed, when the knowledge becomes *clear*, there will not be any feeling of high or low. As the king so shall be the subjects.

समयः 01.06-04.30

जिज्ञासुः सीढ़ी का चित्र में लिखा हुआ है 'ब्रह्मा बेगर टू प्रिन्स बनता है'।

बाबाः फुल बेगर टू फुल प्रिन्स।

जिज्ञासुः लेकिन अभी हम एडवांस में...

बाबाः लेकिन सीढ़ी के चित्र में ऐसा लिखा हुआ नहीं है - ब्रह्मा फुल बेगर टू फुल प्रिन्स। सीढ़ी के चित्र में क्लीयर दिखाया हुआ है - बेगर जो फुल बेगर बनता है, वो कांटों की शैय्या पर पड़ा हुआ है। और जो फुल बेगर नहीं बनता है वो ब्रह्मा बाबा फिर भी खड़ा हुआ है पुरुषार्थ में। (जिज्ञासुः लेकिन...) इसलिए ब्रह्मा बाबा के लिए फुल बेगर नहीं कहेंगे। आखरी जीवन में वो फुल बेगर नहीं होता है।

Time: 01.06-04.30
Student: It has been written in the picture of the Ladder that 'Brahma becomes a prince from beggar '.
Baba: *Full beggar to full prince*.
Student: But now in advance…
Baba: But it has not been written like this in the picture of the Ladder – Brahma becomes *full prince* from *full beggar*. It has been shown clearly in the picture of the Ladder - The *beggar* who becomes a *full beggar* is lying on a bed of thorns. And the one who does not become *full beggar*, i.e. Brahma Baba is still standing in his spiritual efforts (*purusharth*). (Student: But…) This is why it will not be said *full beggar* for Brahma Baba. He is not *full beggar* in his last birth. Yes, anything else?

जिज्ञासुः इसलिए हम बोलना चाहते है, वो फुल बेगर जो होता है वो तो प्रजापिता होता है ना।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः तो वो एडवांस से मालूम हो गया।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः तो वो किंग बनेगा।

बाबाः फुल बेगर टू पहले फुल प्रिंस बनता है। किंग नहीं। जो प्रिन्स होता है वो फिर भी किसी के आधीन होता है। किसके आधीन होता है? राजा के आधीन होता है। यहाँ भल राजा कोई नहीं है फिर भी एक की मत पर चलना पड़े। एक की मत पर अगर नहीं चलेगा तो वो टाइटल बेकार हो जाएगा, फुल प्रिंस का।

जिज्ञासुः हम जानना चाहते है कि वो फुल बेगर होता है तो लास्ट में जाकरके किंग बनेगा ना। तो किंग न बोल करके प्रिंस बोला है इसलिए।

बाबाः फुल बेगर टू फुल किंग नहीं। फुल बेगर टू फुल प्रिंस। फिर जब सत्ता हैंडओवर की जाती है तब कहा जाता है किंग। अभी राजाई नहीं मिल गई है किसी को।

Student: This is why, I want to say, that *full beggar* is Prajapita, isn't he?
Baba: Yes.
Student: So, we came to know this through advance [knowledge].
Baba: Yes.
Student: So, he will become king.
Baba: First he becomes *full prince* from *full beggar*. Not a king. A *prince* is anyhow subordinate to someone. To whom is he subordinate? He is subordinate to the king. Although nobody is a king here, yet he has to follow the directions of the One. If he does not follow the directions of the One, then that *title* of *full prince* will be a waste.
Student: I want to know that the full beggar will become a king in the last, will he not? So, instead of a king he has been named a prince.
Baba: Not *full beggar to full king*. *Full beggar to full prince*. Then, when the power is handed over, he is called a king. Now nobody has received the kingship.

दूसरा जिज्ञासुः बिना राजा के प्रिंस कैसे होगा? प्रिंस का तो कोई राजा तो होना चाहिए।

बाबाः अभी तुम्हारी बुद्धि में एक राजा बुद्धि में नहीं बैठा, एक शिवबाबा दूसरा न कोई? हमारा राजा कौन है, ये बुद्धि में बैठा नहीं?

जिज्ञासुः शिवबाबा राजाई लेते ही नहीं हैं।

बाबाः शिवबाबा राजाई भले न लेता हो लेकिन हम तो राजाई लेने वाले, हम तो उसकी मत पर चलने वाले हैं या नहीं? हम किसका आर्डर मानते हैं? शिवबाबा का आर्डर मानते हैं कि नहीं? जिसका हम आर्डर मानते हैं वो निराकार है या कोई साकार है? निराकार का हम आर्डर मानते हैं। वो कोई देहधारी नहीं है जिसकी बुद्धि देह में धरी रहती है। वो तो सदा शिव है। हम उसका आर्डर मानते हैं।

Second student: How will he become a prince without the existence of a king? There must be a king of the prince.
Baba: Hasn't the one king sat in your intellect yet; one Shivbaba and none else? Hasn't it say in your intellect, who is our king?
Student: Shivbaba does not take kingship at all.
Baba: Though Shivbaba does not take kingship, are we the ones who take kingship, are we the ones who follow His directions or not? Whose orders do we follow? Do we follow Shivbaba's

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

orders or not? Is the one whose orders we follow incorporeal or corporeal? We obey the orders of the incorporeal. He is not a bodily being whose intellect is busy in the body. He is always benevolent (*Sadaa Shiv*). We obey His orders.

समयः 04.35-05.35

जिज्ञासुः बाबा, ये ज्ञान दिन प्रतिदिन बहुत....।

बाबाः सहज होता जाएगा।

जिज्ञासुः सहज होता जाएगा।

बाबाः माना अभी तो फिर भी प्रश्न उठते हैं, प्रश्नचित्त बन जाते हैं। लेकिन ऐसा भी टाइम आवेगा सब प्रश्नों का समाधान स्वतः ही हो जाएगा। कोई प्रश्न किसी को उठेगा ही नहीं। चारों तरफ आवाज़ ही आवाज़ फैल जावेगा। पाना था सो पा लिया। जिसका इंतज़ार कर रहे थे वो आ गया। अभी भल आ गया है लेकिन दिखाई नहीं पड़ता। गुप्त पार्टधारी है इसलिए।

Time: 04.35-05.35
Student: Baba, day by day this knowledge will be very...
Baba: Will go on becoming easier.
Student: Will go on becoming easier.
Baba: It means that now still questions arise, questions arise in your mind. But one such time will also come when all your questions will be solved automatically. No question will emerge in anyone at all. The sound will spread everywhere: We have found whatever we had to find. The one for whom we were waiting, He has come. Although He has come now, He is not visible. It is because He is a secret actor.

समयः 11.30-12.25

जिज्ञासुः पतित दुनिया में कृष्ण का जन्म नहीं हो सकता।

बाबाः भाई का कहना है पतित दुनिया में पतित ही होंगे। और पावन दुनिया में... (सबने कहा - पावन ही होंगे।)... सब पावन ही होंगे। भल पतित दुनिया में सब पतित होंगे, लेकिन जो भी पतित होंगे, उनमें कोई-कोई के वायब्रेशन्स पावन बनना शुरु होंगे या नहीं? तो जिन 8 के वायब्रेशन्स पावन बन जावेंगे, उनके वायब्रेशन में जो भी प्रवेश करेगा तो पावन होगा या पतित होगा? (सबने कहा - पावन होगा।) तो पावन की दुनिया शुरू हो जाएगी ना। उसको कहेंगे पावन की दुनिया।

Time: 11.30-12.25
Student: Krishna cannot be born in a sinful world.
Baba: The brother says: There will be only sinful ones in the sinful world. And in the pure world… (Everyone said: there will be only pure ones).... Everyone will be pure only. Although everyone will be sinful in the sinful world, but even among those who are sinful, will the vibrations of some start becoming pure or not? So, the eight whose vibrations will become pure, will anyone who enters in their vibrations become pure or sinful? (Everyone said: he will become pure.) So, the world of the pure ones will begin, will it not? That will be called the world of pure ones.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-2

समयः 18.30-22.50

जिज्ञासुः जो पास विद आनर होने वाले हैं उनके नींद का टाइम भी योग में गिना जाता है।

बाबाः हाँ, जी। ये बोला हुआ है जो सारा दिन जो धंधा करता रहता है वो धंधा रात में भी स्वप्न में याद आता रहता है। जिन्होंने अपना सच्चाई में, सौ परसेन्ट सच्चाई से अपना सारा जीवन अर्पण कर दिया ईश्वरीय सेवा में, वो सारा दिन कौनसी सेवा में लगे रहेंगे? ईश्वरीय सेवा में लगे रहेंगे। उन्हें तन के खाने की चिन्ता नहीं होगी। तन के लिए अच्छा-अच्छा पहनने की चिन्ता नहीं होगी। तन के लिए अच्छा-अच्छा मकान रहने के लिए चिन्ता नहीं होगी। जहाँ रख दिया जाए वहाँ रहेंगे। जो खिलाया जाए वो खायेंगे। जो पहनाया जाए वो ही पहनेंगे।

Time: 18.30-22.50

Student: Even the sleeping time of those who are going to pass with honour is counted in yoga.

Baba: Yes. It has been said that whoever does whatever business throughout the day, he remembers it even in his dreams. Those who have truthfully dedicated their entire life , with hundred percent truth in the service of God, they will remain busy in which service throughout the day? They will remain busy in the service of God. They will not worry about the food for the body. They will not worry about wearing good clothes in respect to the body. They will not worry about a good house to stay with respect to the body. They will live wherever they are said to. They will eat whatever they are served to eat. They will wear only whatever they are made to wear.

ऐसी आत्मायें जिनका सारा बुद्धियोग ईश्वरीय सेवा में लगा रहता है, उन्हें रात में क्या याद आवेगा? ईश्वरीय सेवा ही याद आवेगी। और बाप किन बच्चों को याद करते हैं? (सबने कहा - सर्विसेबुल बच्चों को।) सर्विसेबुल बच्चों को याद करते हैं। तो सोते-सोते? जो बच्चे सोये हुए पड़े हैं नींद में..., हैं अथक सेवाधारी तो उन बच्चों को बाप याद नहीं करता है? तो योगयुक्त हो गए या भोगी हो गए? योगयुक्त कहेंगे।

जिज्ञासुः लेकिन बाप भी याद करता है उनको, सोते हुए; तो बच्चा को तो पता नहीं चलता है।

बाबाः वो याद की सेवा में लगे हुए हैं और सेवा किसकी कर रहे हैं?

दूसरा जिज्ञासुः बाप की।

जिज्ञासुः सेवा तो सारा दिन करते हैं....

बाबाः सारा दिन भी करते हैं। जैसे कपड़े फाड़ने वाला बजाज है, सारा दिन दुकान पे कपड़े बेचता है और रात में अपनी धोती भी फाड़ता रहता है।

जिज्ञासुः तो इसका मतलब उनका भी याद चलेगा?

बाबाः क्यों नहीं चलेगा?

What will such souls, whose intellect is entirely connected with the service of God, remember in the night? They will remember the service of God only. And which children does the Father remember? (Everyone said: The serviceable children.) He remembers the *serviceable* children. So, what about the sleeping time? The children who are sleeping…they are certainly tireless servers, so, doesn't the Father remember those children? So, are they *yogyukt* (meditative) or *bhogi* (pleasure seekers)? They will be called *yogyukt*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: The Father also remembers them when they are asleep, but the children do not come to know about it.
Baba: They are busy in the service of remembrance; and who are they serving for?
Second student: The Father.
Student: They indeed do service throughout the day...
Baba: They serve throughout the day as well. For example, a cloth merchant (*bajaj*) who tears the cloth; he sells clothes at the shop throughout the day and keeps tearing his own *dhoti* (a piece of worn round the lower body) in the night.
Student: So, does it mean that they will also remember.
Baba: Why not?

तीसरा जिज्ञासुः बाप जो है गृहस्थियों को याद नहीं करता?

बाबाः किसको?

तीसरा जिज्ञासुः गृहस्थी।

बाबाः गृहस्थियों को याद नहीं करते? क्यों? बाप गृहस्थियों को पढ़ाई पढ़ाने नहीं आया है?

तीसरा जिज्ञासुः गृहस्थी तो बांधेली हैं।

बाबाः जो बांधेली हैं उनके लिए तो बोला वो सबसे जास्ती याद करती हैं। और जो सबसे जास्ती याद करने वाले हैं, वो ज्यादा सेवाधारी हैं या कर्मणा की सेवा करने वाले या धन की सेवा करने वाले ज्यादा सर्विसेबुल हैं और वायब्रेशन बनाने वाले हैं?

तीसरा जिज्ञासुः याद की सेवा करने वाले।

बाबाः मातायें जो हैं वो सबसे फर्स्ट क्लास सर्विस करती हैं। खास करके बांधेली मातायें।
Third Student: Doesn't the Father remember the householders?
Baba: Whom?
Third student: Householder.
Baba: Doesn't He remember the householders? Why? Hasn't the Father come to teach the householders?
Third student: The householders are in bondage.
Baba: As regards those (mothers and virgins) in bondages, Baba has said for them that they remember the most. And do those who remember the most serve more or are those who serve through actions or those who serve through wealth more serviceable and create (good) vibrations?
Third student: Those who do the service of remembrance.
Baba: Mothers do *first class service*, especially the mothers in bondage.

चौथा जिज्ञासुः और अधर कुमार?

बाबाः अधर कुमार हों, चाहे कुमार हों, उनको टाइटल कौनसा मिला हुआ है? (सबने कहा - दुर्योधन-दुःशासन।) फिर? जैसा टाइटिल मिला हुआ है वैसा काम भी करते होंगे। टाइम वेस्ट भी करते होंगे। नहीं तो स्वर्ग का गेट खोलने के निमित्त न बन जायें? नई दुनिया का दरवाज़ा खोलने के निमित्त न बन जायें? ज्ञान का कलश उनके हाथों में दे दिया जाए ना। फिर भी धींगामुश्ती करके अपने हाथों में ले ही लेते हैं, क्योंकि टाइटिल मिला हुआ है।
Fourth Student: And what about the *adhar kumars* (married men)?
Baba: Whether they are *adhar kumars*, or *kumars* (unmarried men), what *title* have they been given? (Everyone said: Duryodhan, Dushasan.) Then? They would also be performing the task

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

as per the *title* that they have received. They would be wasting time as well. Otherwise, will they not become instruments in opening the *gate* of heaven? Will they not become instruments in opening the gateway of the new world? The pot of knowledge will be handed over to them, won't it? Still they brawl and take it in their hands forcibly because they have received the *title* [of Duryodhan-Dushasan].

समयः 23.30-25.25

जिज्ञासुः बाबा, भाई लोग जभी ज्ञान में आते हैं।

बाबाः कौन?

जिज्ञासुः भाई लोग।

बाबा: भाई लोग। हाँ।

जिज्ञासु: कोई संस्था में भाई लोग ज्ञान में आते हैं तो पीछे-पीछे माता आ जाती है। लेकिन माता लोग जभी ज्ञान में आते हैं तो उनके पीछे-पीछे भाई लोग नहीं आते हैं।

बाबाः क्यों? भाई लोगों में उनके बच्चे नहीं होते है? वो भाई लोग नहीं हैं? माताओं के जो बच्चे हैं वो भाई नहीं हैं?

जिज्ञासुः नहीं, युगल।

बाबाः युगल की बात हो रही है। हाँ। जो घर की मुर्गी दाल बराबर समझते हैं वो क्यों आयेंगे? ज्ञान अहंकारी लेता है या निरहंकारी लेता है? (जिज्ञासु - निरहंकारी।) फिर? ज्ञान लेने वाला शिष्य हुआ और ज्ञान देने वाला गुरु हुआ। तो वो ऊँचा किसको समझते हैं? अपन को या अपनी पत्नी को? बाबा तो आकरके ये पढ़ाई पढ़ा रहे हैं - माता को गुरु समझो। शुरुआत से ही समझे बैठे नहीं हैं। ये अंत में समझेंगे कि जो भी कन्यायें-मातायें हैं इस दुनिया में वो हमारी माता हैं। बाप सिर्फ एक ही है। तब लास्ट में असली ज्ञान मिलेगा।

Time: 23.30-25.25
Student: Baba, when the brothers enter the path of knowledge.
Baba: Who?
Student: The brothers.
Baba: The brothers. Yes.
Student: When brothers enter the path of knowledge in some institution, the mothers follow them [in the path of knowledge]. But when the mothers enter the path of knowledge, the brothers do not follow them.
Baba: Why? Are not their sons not included among the brothers? Are they not brothers? Are the sons of mothers not brothers?
Student: No, the husbands.
Baba: You are talking about husbands. Yes. Why will those who consider them (the mothers) to be *ghar ki murgi daal baraabar* (the chicken cooked at home is like *dal*[1], i.e. valueless) come? Does an egotistic person take knowledge or does an egoless person take knowledge? (Student: The egoless one.) Then? The one who takes knowledge is the disciple (*shishya*) and the one who gives knowledge is the *guru*. So, whom do they consider to be high? Themselves or their wives? Baba has come and is teaching this knowledge: consider the mother as *guru*. They haven't understood this from the beginning. They will understand in the end that all the virgins and

[1] Cooked pulse

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

mothers in this world are our mothers. The Father is only one. Then they will get the true knowledge in the end.

जिज्ञासुः माता-कन्या आता है पहले तो माता तो पवित्र है। भाई से भी पवित्र है माता। माता के प्रभाव से उनको आना चाहिए।

बाबाः कैसे आना चाहिए? भाव प्रधान विश्व रची राखा। सो कहाँ जाएगा? विश्वासम् फलदायकम्। भावना तो प्रधान है। भावना ही अच्छी नहीं है तो प्राप्ति कहाँ से हो जाएगी?

Student: When the mothers and virgins come first, so, the mothers are pure; when compared to the brothers, the mothers are purer. They should come under the influence of the mother.

Baba: How can they come? *Bhaav pradhaan vishwa rachi rakha* (your world is created according to the intentions with which you perform deeds). What about that? *Vishwaasam phaldayakam* (you will get the fruit if you keep faith). The intentions are important. If the intentions itself are not good, how can they achieve the attainments?

समयः 25.30-26.15

जिज्ञासुः बाबा, रथ, रथी, सारथी।

बाबाः रथ कहते हैं शरीर।

जिज्ञासुः सारथी?

बाबाः सारथी कहते हैं जो उस शरीर को चलाने वाला है। और रथी कहते हैं जो शरीर का मालिक है। जैसे राम वाली आत्मा है, शरीर का मालिक। उसका रथ है वो शरीर। और उसको चलाने वाला, साथ में सदैव रहने वाला सारथी है शिवबाबा।

Time: 25.30-26.15

Student: Baba, *rath, rathi, saarthi*.

Baba: *Rath* means the body.

Student: What about *sarathi*?

Baba: *Sarathi* means the one who runs the body. And *rathi* means the one who is the owner of the body. For example the soul of Ram; he is the owner of the body. His body is the chariot (*rath*). And the one who runs it, the one who always remains with him is the *sarathi*, i.e. Shivbaba.

समयः 26.20-27.30

जिज्ञासुः बाबा, राम बाप ने जो रौद्र रूप धारण किया यज्ञ के आदि में वो कौनसी हुआ? और बाद में भी जो रौद्र रूप धारण करेगा वो कौनसा होगा?

बाबाः यज्ञ के आदि में जो रौद्र रूप धारण किया वो ही प्रजापिता का रौद्र रूप था जो यज्ञ में विनाश करके चला गया। यज्ञ में जो संगठन था वो टूट गया या रह गया? टूट गया। टूट गई है माला मोती बिखर गए। दो दिन रहकर साथ न जाने किधर गए? तो विनाश हो गया न नई दुनिया का। जो नई दुनिया स्थापन भी हुई वो डुप्लिकेट स्थापन हो गई, जिसकी यादगार अजमेर में बनी हुई है। मॉडल बन गया जड़। चैतन्य आत्मायें लुप्त हो गई थीं। अभी फिर वही चैतन्य आत्माओं का असली संगठन तैयार हो रहा है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 26.20-27.30
Student: Baba, which was the fierce form (*raudra roop*) that the father Ram took on in the beginning of the *yagya* and which fierce form will he take on in the end as well?
Baba: The fierce form that he took on in the beginning of the *yagya* was the fierce form of Prajapita which caused destruction in the *yagya* and departed. Did the gathering in the *yagya* break or did it remain? It broke. *'Toot gayi hai maala moti bikhar gaye'* (a Hindi song which means– the necklace has broken and the pearls have scattered). *'Do din rakhkar saath na jaane kidhar gaye?'* (Who knows where they have vanished after being together for two days.) So, the new world was destroyed, wasn't it? Even the new world that was established was a *duplicate* one, whose memorial is made in Ajmer (a place in Rajasthan). A non-living *model* was prepared. The living souls vanished. Now the true gathering of the same living souls is getting ready once again.

Extracts-Part-3

समयः 27.35-28.25

जिज्ञासुः बाबा, 671 कैसट में बताया तुम बच्चों को कोई आर्ग्यू करने का दरकार नहीं।

बाबाः आर्ग्यू। हां।

जिज्ञासुः आर्ग्यू माना?

बाबाः आर्ग्यू माना सवाल जवाब करने की दरकार नहीं है, तुम बच्चों को। तुम कहा जाता है सन्मुख। जो सदैव बाप के सन्मुख रहने वाले बच्चे हैं उनको आर्ग्यू करने की दरकार नही है क्योंकि आज की मुरली में बताया बाप तो बच्चों को टाइम टू टाइम स्वतः ही सब बातें बताते रहते हैं।

Time: 27.35-28.25
Student: Baba, it has been said in cassette no.671; there is no need for you children to *argue*.
Baba: *Argue*. Yes.
Student: What is meant by 'argue'?
Baba: '*Argue'* means there is no need for **you** children to debate. 'You' means face to face (*sanmukh*). The children who always remain face to face with the Father, there is no need for them to *argue* because it has been said in today's Murli that the Father keeps telling everything to you children from *time to time* on His own.

समयः 28.30-29.55

जिज्ञासुः बाबा बोलते हैं - कृष्ण तो सम्पूर्ण है। उसको सुदर्शन चक्र क्यों दरकार है? सुदर्शन चक्र तो ब्राह्मणों की दरकार है। लेकिन अभी ब्राह्मणों के पास सुदर्शन चक्र दिया नहीं। कारण क्या है? क्योंकि अभी सुदर्शन चक्र घुमाते फिर बंद हो जाते हैं। और ऐसे भी होते हैं ऐसा सुदर्शन चक्र घुमाते दूसरों का गला काट देते हैं। तो बाबा कब मिलेगा ब्राह्मणों को सुदर्शन चक्र?

Time: 28.30-29.55
Student: Baba says, Krishna is complete. Why does he need *sudarshan chakra* (discus of self realization)? Brahmins need *sudarshan chakra*. But now Brahmins have not been given *sudarshan chakra*. What is the reason? It is because now they rotate the *sudarshan chakra* and then it stops. And there are such ones also who rotate the *sudarshan chakra* and cut the neck of others. So Baba, when will the Brahmins get the *sudarshan chakra*?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः जब सुदर्शन चक्र मिले, जब देहअभिमान रूपी गला कटता जाए। लेकिन सुदर्शन चक्र हाथ से न छूट जाए। पहले तो अपना गला कटे, देहअभिमान का गला कटे, तभी तो सम्पूर्ण आत्मा बने। अपने ही देहअभिमान का गला नहीं काट सके तो दूसरों का कहाँ से कटेगा? अभी सब अधूरे ब्राह्मण हैं। स्वदर्शन चक्र चलाते-चलाते हाथ से स्वदर्शन चक्र छूट जाता है। व्यर्थ संकल्पों में बुद्धि चली जाती है। आत्म चिंतन करना भूल जाते हैं। परचिंतन में लग जाते हैं। इसलिए ब्राह्मणों के हाथ में सुदर्शन चक्र नहीं दिया जाता।

Baba: When you receive the *sudarshan chakra*, your neck-like body consciousness will be cut. But the *sudarshan chakra* should not slip out of your hand. First you should cut your neck, your neck of body consciousness, only then will you become a complete soul. If you are unable to cut the neck of your own body consciousness, then how will you be able to cut the body consciousness of others? Now everyone is an incomplete Brahmin. The *swadarshan chakra* slips out of your hand while rotating it. The intellect becomes busy in wasteful thoughts. You forget to think of the soul. You become busy in thinking of others. This is why *sudarshan chakra* is not given in the hands of Brahmins.

समयः 30.01-31.35

जिज्ञासुः और एक प्रश्न है बाबा। शंकर तो विष पीते और तीसरा नेत्र खुलते रहे। कैसे खुले? इसमें कोई खासियत होगी।

बाबाः तीसरा नेत्र खुलते हुए विष पीते कहाँ दिखाया गया? या तो विष पीता हुआ चित्र दिखाया गया है या तो तीसरा नेत्र खुलता हुआ दिखाया गया है। दोनों बातें एक साथ किसी चित्र में दिखाई हैं क्या? आँख खुलेगी तो विनाश हो जाएगा। जब आँख खुलेगी तो आँख में से क्या निकलेगा, तीसरे नेत्र में से? (जिज्ञासु - विनाश।) ज्ञान निकलेगा। ज्ञान को पंथ, कृपाण को धारा।

Time: 30.01-31.35

Student: Baba, there is another question. Shankar drinks poison while the third eye opens. How will he open? There might be some specialty.

Baba: Where is it depicted to be drinking poison while opening the third eye? Either he is depicted as drinking poison in the pictures or he is depicted opening the third eye. Are both the acts shown together in any picture? When the [third] eye opens, destruction will take place. When the eye opens, what will emerge from the eye, from the third eye? (Student: Destruction.) Knowledge will emerge. *Gyan ko panth kripaan ko dhara* (the path of knowledge is equal to the sharpness of a sword).

इन आँखों से जो भी ये दुनिया दिखाई पड़ रही है वो सब खलास हो जावेगी। देखते हुए न देखना। सुनते हुए न सुनना। ऐसी स्टेज को कहा गया तीसरा नेत्र खुलना। सन् 76 में भी वो तीसरा नेत्र खुलता है। तो सारी दुनिया खलास हो गई ब्राह्मणों की पुरानी दुनिया। आप मुए मर

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

गई दुनिया। इनसे कुछ भी लेना-देना नहीं। इनके द्वारा कुछ भी होना नहीं है। ये सब मुर्दाघाट में मरे पड़े हैं। एक शिवबाबा दूसरा न कोई।

This world that is visible through these eyes will perish. Not to see even while seeing, not to hear even while listening, such a stage is called the opening of the third eye. That third eye opens in the year [19]76 as well. So, the entire old world of Brahmins was destroyed. When you die the world is dead for you. You don't have anything to do with it. Nothing is going to happen through them. All these people are dead in the mortuary. One Shivbaba and no one else.

समयः 42.20-42.50

जिज्ञासुः बाबा, ये शरीर 5 तत्वों का बना है। 4 तत्व तो समझ में आता है। आकाश तत्व कैसे है?

बाबाः क्यों? शरीर के अंदर पोलार नहीं है? शरीर के अंदर वैक्यूम है या नहीं है? अरे खाली जगह है कि नहीं पेट में? (जिज्ञासु - वो तो हवा हो गई ना बाबा।) हवा भी होती है साथ-2 पोलार भी होता है।

Time: 42.20-42.50
Student: Baba, this body is made up of five elements. We can understand the 4 elements [present in the body]. How is the element sky present in it?
Baba: Why? Is there not *polar* in the body? Is there vacuum within the body or not? *Arey*, is there empty space in the stomach or not? (Student: Baba, that is wind, isn't it?) There is air as well as polar (i.e. vacuum) along with it.

समयः 43.10-46.26

जिज्ञासुः ब्लड ग्रुप तीन कैटेगिरी का है।

बाबाः हाँ, तो दुनिया में भी तो तीन कैटेगिरी में बंटे हुए हैं। एक ब्रह्मा को फालो करने वाले। उनका ब्लड ग्रुप अलग है। एक शंकर को फालो करने वाले। उनका ब्लड ग्रुप अलग है। और एक विष्णु को फालो करने वाले।

Time: 43.10-46.26
Student: Blood groups are of three categories.
Baba: Yes. So, the world is also divided into three categories. One category is of those who *follow* Brahma. Their *blood group* is different. One category is of those who *follow* Shankar. Their *blood group* is different. And one category is of those who *follow* Vishnu.

जिज्ञासुः शंकर को फालो करने वाले 'ओ ग्रुप' है क्या?

बाबाः ओ ग्रुप नहीं। ओ पॉजिटिव। हाँ, जी। ओ ग्रुप तो विधर्मियों का हो जाएगा। हाँ, जी।

जिज्ञासुः ए और बी।

बाबाः वो 500 करोड का बाप है। तो उसका खून सबके अंदर समाया हुआ है कि नहीं समाया हुआ है?

जिज्ञासुः ओ निगेटिव (O-ve) सबको दे सकता है बाबा? यूनीवर्सल डोनर (universal donor) कौनसा है, O-ve या O+ve?

बाबाः यूनीवर्सल डोनर O+ve होता है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः ए और बी?

बाबाः ये सब उनको, उन लोगों से पहले पता लगाओ जो साइंटिस्ट हैं। ये पढ़ाई इधर नहीं पढ़ाओ। ☺

Student: Are those who *follow* Shankar the ones with O positive (O+ve)?
Baba: Not '*O group*'. *O positive*. Yes. O group is of the *vidharmis* (those with beliefs and faith opposite to that set by the Father). Yes.
Student: A and B.
Baba: He is the Father of 500 crore [souls]. So, is his blood assimilated in everyone or not?
Student: Baba, can [the person with] O negative (O-ve) give [blood] to everyone? Which one is *universal donor*, is it O-ve or O+ve?
Baba: *Universal donor* is O+ve.
Student: A and B?
Baba: First find this out from them, from those people who are scientists. Do not teach this knowledge here. ☺

जिज्ञासुः बेहद का अर्थ?

बाबाः इस बात का भी बेहद का अर्थ जब ऐसे निकलेंगे साइंटिस्ट, वो सारी बातें बतायेंगे। हर बात का जवाब तुरंत नहीं दिया जाता। सारी पढ़ाई अभी पढ़ा देंगे तो आगे चलके क्या पढ़ावेंगे?

जिज्ञासुः आगे चलके बैठ जायेंगे निराकारी (बनके)।

बाबाः देखो।☺

Student: What does it mean in an unlimited sense?
Baba: When such scientists emerge, they will tell everything, the meaning of this topic in an unlimited sense. The reply for every question is not given immediately. If the entire knowledge is taught now itself, what will he teach in the future?
Student: In the future he will sit in an incorporeal [stage].
Baba: Look ! ☺

जिज्ञासुः बी का कैटिगरी पूछ रहा है बाबा।

बाबाः हाँ, अभी बता तो दिया सब बातों का जवाब। ये ओ ग्रुप, ए ग्रुप, पी ग्रुप, टी ग्रुप, ये सब जो कुछ भी होते हैं वो साइंटिस्ट्स की बात है। ये ईश्वरीय पढ़ाई में ये सब नहीं आता। ईश्वरीय पढ़ाई में इतना आता है कि ये जो संकल्पों का ग्रुप है वो तीन प्रकार का है मूल रूप में। चौथा प्रकार भी है। एक शिव। सिर्फ निराकारी स्टेज। कोई संकल्प नहीं। बीज रूप स्टेज में समा जाओ। जैसे विधर्मी आत्मायें अंत में समा जाती हैं, क्योंकि उनको ज्ञान की डीटेल में जाने का इतना टाइम ही नहीं रहता। चारों तरफ मारामारी शुरु हो जाती है। उन्हें मौका ही नहीं मिलता शांति का। पढ़ाई में शान्ति चाहिए।

Student: Baba, he is asking about the B *category*.
Baba: Yes, the answer for all the questions was given just now. This *O group*, *A group, P group*, *T group*, and all these groups are the subjects for the *scientists*. All this is not included in the divine study (of God). The divine study (of God) includes only the groups of thoughts which are basically of three kinds. There is a fourth kind as well. [It is of the stage with the thought of] One Shiv; just the incorporeal stage, no thought, to merge in the seed-form stage

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

just as the *vidharmi* souls merge in the end because they do not get *time* enough to go into much *detail* of knowledge. Fights begin everywhere. They do not get time for peace at all. Peace is required for studies.

Extracts-Part-4

समयः 56.35-01.04.22

जिज्ञासुः बाबा, रुद्रमाला में अष्ट देव जो हैं वो पास विद आनर्स निर्विकारी होता है। लेकिन और कोई नहीं होते हैं?

बाबाः क्यों नहीं होते हैं? विजय माला के मणके लास्ट में निकलेंगे, लास्ट में निकलने पर भी वो ज्ञान में, योग में, धारणा में, सेवा में फास्ट जायेंगे या नहीं जायेंगे?

जिज्ञासुः नहीं, विजय माला छोड़के जो रुद्रमाला है...

बाबाः विजयमाला छोड़के रुद्रमाला कम्प्लीट है ही नहीं। इनकम्प्लीट माला है।

जिज्ञासुः हाँ, लेकिन इनकम्प्लीट जो माला है उसमें अष्टदेव का क्या स्पेशालटी है? जो अष्टदेव निर्विकारी बनेंगे। वो पापात्मा नहीं होगा। और दूसरे पापात्मा बनते रहेंगे?

बाबाः अष्ट देव भी तब अष्ट देव पक्के मजबूत हैं जब चार विजयमाला से हों और चार रुद्रमाला से हों। चार सूर्यवंशी हों, चार चन्द्रवंशी हों।

Time: 56.35-01.04.22
Student: Baba, the eight deities of the *Rudramala* pass with honour and are vice less. But others don't.
Baba: Why not? The beads of the *Vijaymala* (rosary of victory) emerge in the *last*; despite emerging in the *last*, will they go *fast* in knowledge, in *yog*, in *dharna*, in service or not?
Student: No, the *Rudramala* apart from the *Vijaymala*...
Baba: The *Rudramala* is not at all *complete* without *Vijaymala*. It is an *incomplete* rosary.
Student: Yes, but what is the specialty of the eight deities in that incomplete rosary so that the eight deities will become vice less, they will not be impure souls and the others will continue to become impure souls?
Baba: Even the eight deities are firm eight deities when there are four from *Vijaymala* and four from *Rudramala*; when there are four belonging to the Sun dynasty (*Suryavanshi*) and four belonging to the Moon dynasty (*Chandravanshi*).

जिज्ञासुः तब अष्ट देव बनेंगे।

बाबाः तब अष्ट देव पक्के कहे जाते हैं। ये हमारी सारी पढ़ाई प्रवृत्तिमार्ग की है या निवृत्ति मार्ग वालों के लिए है? सिर्फ रुद्रमाला के मणके हैं तो प्रवृत्ति मार्ग वाले हैं या निवृत्ति मार्ग वाले हैं?

जिज्ञासुः निवृत्ति मार्ग वाले।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः लेकिन क्या प्रोसेस होगा बाबा? क्या प्रोसेस होगा जो चार यदि शिवबाबा को पाते हुए भी, इतना पुरुषार्थ करते हुए भी, विजयमाला का इतना क्या क्रेडिट है जो चार को पवित्र बना देगा जो शिवबाबा बना नहीं पाया?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः सबसे बड़ा क्रेडिट है ज्यादा बुद्धि नहीं चलाते। पवित्र रहना है तो बस पवित्र रहना है। मल्ल युद्ध नहीं करना है। और रुद्रमाला के मणकों को? हमको तो मल्लयुद्ध करना है। माया लड़े तो लड़े। न करो न मल्लयुद्ध। कोई करना जरूरी है क्या? अरे भाई बहन हैं तो भाई बहन को साथ सोना जरूरी है क्या? भाई बहन बनके रहो। कौन मना करता है? लेकिन राजाओं को तो मल्लयुद्ध चाहिए।

Student: Then they will become the eight deities (*ashta dev*).

Baba: Then they are called firm *ashta dev*. Is our entire study for those of the path of household (*pravritti marg*) or for those who follow the path of renunciation (*nivritti marg*)? If there are only the beads of *Rudramala*, then do they belong to the path of household or to the path of renunciation?

Student: They belong to the path of renunciation.

Baba: Yes.

Student: But Baba, what will be its process? What will be the process that the four beads, despite having found Shivbaba, despite making so much spiritual efforts; what is the credit for *Vijaymala* that they will make the four (from Rudramala) pure that even Shivbaba could not make them?

Baba: The biggest *credit* is that they do not use their intellect more. If they have to remain pure, they just have to remain pure. They do not have to wrestle. And what about the beads of *Rudramala*? We have to wrestle. Maya can fight if she wishes to. Do not wrestle. Is it necessary to wrestle? *Arey*, when you are brothers and sisters, is it necessary for brothers and sisters to sleep together? Live as brothers and sisters. Who is forbidding you? But the kings want to wrestle.

जिज्ञासुः बाबा, दूसरा-दूसरा जगह में सोएगा तो सन्यासी का शूटिंग हो जाएगा।

बाबाः भाई-बहन हैं कि नहीं ब्रह्मा के बच्चे? वो भूल गए?

जिज्ञासुः भाई बहन हैं।

बाबाः जब भाई बहन हैं तो भाई बहन को साथ-साथ सोने का संकल्प भी आता है क्या? जो अच्छे परिवार के भाई बहन होते हैं, अच्छे सही खून के, जिनको रायल परिवार समझा जाता है, वो भाई बहन साथ-साथ सोने की बुद्धि में इच्छा भी करते हैं क्या? नहीं करते। अरे हम जवान हो चुके हैं। ये गिरती कला का युग है। कलियुग है। माया पंजा मार सकती है। इसलिए मुरली में भी बोला है जब भाई-बहन हैं, ब्रह्माकुमार-कुमारी हैं, एक ब्रह्मा बाप की संतान हैं तो साथ-साथ सोने क भी क्या दरकार है? लेकिन उन्हें तो मल्ल युद्ध चाहिए 63 जन्मों के संस्कार हैं युद्ध करने के।

Student: Baba, if they sleep separately, it will be the shooting of *sanyasi*.

Baba: Are they Brahma's children brothers and sisters [among themselves] or not? Did you forget that?

Student: They are brothers and sisters.

Baba: When they are brothers and sisters, do brothers and sisters even think of sleeping together? The brothers and sisters of good families, of good and pure blood, who are considered to be from royal families, do those brothers and sisters even make a desire to sleep together? They do not. [They think:] *Arey*, we have become young. This is the Age of descending celestial degrees. It is the Iron Age. Maya can claw at us. This is why it has also been said in Murli, if you are

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

brothers and sisters, if you are Brahmakumar-kumaris, if you are the children of one father Brahma, then what is the need to even sleep together? But they want to wrestle; they have *sanskars* of fighting war for 63 births.

जिज्ञासुः दैट मीन्स (that means) विजयमाला का जो मणि है बाबा वो लोग साथ-साथ नहीं सोते हैं?

बाबाः इतनी उन्हें अकल चलाने की दरकार ही नहीं है। जैसे ब्रह्मा प्लेन बुद्धि ऐसे ही ब्रह्मा को फालो करने वाले बच्चे भी प्लेन बुद्धि। ज्यादा सुख भोगने वाली कृष्ण की आत्मा होगी या राम की आत्मा होगी? (जिज्ञासुः कृष्ण की आत्मा।) कृष्ण की आत्मा जास्ती सुख भोगेगी। चैन की बंसी बजाई शूटिंग पीरियड में। और सतयुग त्रेता में भी चैन की बंसी बजायेंगे लंबे टाइम तक। और द्वापर कलियुग में भी चैन की बंसी बजायेंगे। आखरी जन्म में भी दुखी होंगे या सुखी होंगे? सुखी ही सुखी। बाप सारी जिम्मेवारी अपने ऊपर लेते हैं, बच्चों को सुख देते हैं। भारत की परम्परा में क्या चलता चला आया? बाप क्या सोचता है? मेन्टेलिटी क्या होती है? मैं भले दुखी रहूँ लेकिन मेरे बाल-बच्चे, नाते, पोत्री, पोत्रा, धोत्रे, परपोत्रे, सब सुखी बने रहें। ये फाउन्डेशन कहाँ पड़ता है? (जिज्ञासुः संगमयुग में।) बाप के द्वारा फाउन्डेशन पड़ता है।

Student: Baba that means, do the beads of the *Vijaymala* not sleep together?

Baba: There is no need at all for them to use their intellect so much. Just as Brahma has a *plain* intellect, similarly, the children who *follow* Brahma have a *plain* intellect. Will the soul of Krishna experience more pleasures or will the soul of Ram experience more pleasures? (Student: The soul of Krishna.) The soul of Krishna will experience more pleasures. He lead a contented life in the *shooting period*. And even in the Golden Age and the Silver Age, he will lead a comfortable life for a long time. And in the Copper Age and the Iron Age too, he will lead a comfortable life. Even in the last birth, will they be sorrowful or happy? He will be just happy. The Father takes the entire responsibility on Himself. He gives happiness to the children. What has been the tradition in India? What does the father think? What is his *mentality*? 'I may remain sorrowful, but my children, grand children, great grand children should remain happy.' When is this *foundation* laid? (Student: In the Confluence Age.) The *foundation* is laid by the Father.

जिज्ञासुः बाबा, विजयमाला जब आयेंगे उनको रुद्रमाला का जो अष्ट देव का चार होगा, चार का चार के साथ जोड़ी होगा। तो विजयमाला का वायब्रेशन्स से वो लोग पवित्र बन जायेंगे?

बाबाः बिना सच्चे साथी के कभी सफलता नहीं मिल सकती। साथी कम्प्लीट चाहिए।

जिज्ञासुः लेकिन आपने कहा वो तो नज़दीक नहीं आयेंगे, दूर-दूर रहेंगे।

बाबाः तो क्या हुआ? बुद्धियोग से नज़दीक नज़दीक होता है या देह से नज़दीक नज़दीक होता है? असली नज़दीक कौनसा होता है?

जिज्ञासुः बुद्धियोग से।

बाबाः फिर?

दूसरा जिज्ञासुः योगिनी मां तो रुद्रमाला से निकला ना।

बाबाः तो?

दूसरा जिज्ञासुः फिर विजयमाला क्यों बोला? विजयमाला से अष्टदेव का जोड़ी निकलेगा?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः अरे, विजयमाला चन्द्रवंशियों का भी कोई बीज होगा रुद्रमाला में कि नहीं? रुद्रमाला में सबके बीज हैं कि नहीं? रुद्रमाला में सब धर्म के बीज हैं या नहीं हैं? तो चन्द्रवंश का बीज तो जगदम्बा हो गई। फिर सूर्यवंश का बीज कौन? कन्याओं-माताओं के बीच में?

दूसरा जिज्ञासुः योगिनी मां।

बाबाः बस।

Student: Baba, when the [beads of] *Vijaymala* comes, the four of [beads of the] *Rudramala* among the *ashta dev* will form couples with the four [of *Vijaymala*]. So, will they become pure by the vibrations of the *Vijaymala*?
Baba: Success can never be obtained without a true companion. A ***complete*** companion is required.
Student: But you said that they will not come close, they will live far away.
Baba: So, what? Are two persons close if they are close through the connection of intellect or are they close if they are close physically? What is closeness in a real sense?
Student: Through the connection of the intellect.
Baba: Then?
Second student: Mother Yogini has emerged from the *Rudramala*, hasn't she?
Baba: So?
Second student: Then why is it said *Vijaymala*? [Why is it said] the couples of the eight deities will emerge from the *Vijaymala.*
Baba: *Arey*, will there be a seed of *Vijaymala*, the *Chandravanshi* in the *Rudramala* or not? Are there seeds of everyone in *Rudramala* or not? Are there the seeds of all the religions in *Rudramala* or not? So, Jagdamba is the seed of *Chandravansh* (the Moon dynasty). Then who is the seed of *Suryavansh* among the virgins and mothers?
Second student: Mother Yogini.
Baba: That is all.

जिज्ञासुः लेकिन वो तो विजयमाला का जोड़ी नहीं हुआ। वो तो रुद्रमाला...।

बाबाः विजयमाला का जोड़ी हो जाए तो विश्व की मालिक बन जाए ना।

जिज्ञासुः लेकिन बाबा 8 आत्माओं का जो परिवार आपने बोला तैयार होगा, तो वो परिवार सारा ब्राह्मण परिवार को कंट्रोल करेगी, मतलब पालना देगी मात-पिता के रूप में?

बाबाः पालना विष्णु के कुल का नहीं होगा तो पालना पूरी दे सकेगा? प्योरिटी पूरी नहीं होगी तो पालना पूरी होगी क्या? और सिर्फ रुद्रमाला के मणकों से पालना पूरी होती है क्या?

दूसरा जिज्ञासुः दोनों से होती है।

बाबाः हाँ। दोनों चाहिए।

जिज्ञासुः लेकिन बाबा ऐसा बोला कि अष्ट देव जो होगा वो रुद्रमाला सूर्यवंशी का रूद्रमाला से अष्ट देव होगा। अभी जो क्लेरिफिकेशन हो रहा है वो देट मिन्स अष्ट देव तो इधर का चार और विजयमाला का चार।

बाबाः अष्ट देव सिंगल होगा या डबल होगा? देवतायें जो होते हैं वो निवृत्ति मार्ग के होते हैं या प्रवृत्तिमार्ग के होते हैं? (जिज्ञासु - प्रवृत्तिमार्ग।) तो प्रवृत्तिमार्ग होना चाहिए।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: But she is not a couple from the *Vijaymala*. She is *Rudramala*...
Baba: If she becomes the couple from the *Vijaymala*, she would become the master of the world, will she not?
Student: But Baba, the family of eight souls which you said will be prepared; will that family control the entire Brahmin family, meaning sustain it in the form of mother and father?
Baba: If someone does not belong to the clan of Vishnu, will he be able to give complete sustenance? If there isn't *complete purity*, will the sustenance be complete? And is the sustenance completed by the beads of *Rudramala* alone?
Second student: It takes place by both.
Baba: Yes. Both are required.
Student: But Baba, it was said that the eight deities will be from the *Suryavanshi* [group] of the *Rudramala*. The clarification that is being given now means that the eight deities consist of four from this side (i.e. *Rudramala*) and four from the *Vijaymala*.
Baba: Will the eight deities be *single* or *double*? Do the deities belong to the path of renunciation or to the household path? (Student: the household path.) So, it should be a household path.

जिज्ञासुः तो देट मीन्स (that means) विजयमाला से चार और रुद्र माला से चार?

बाबाः सूर्यवंशी चार और चन्द्रवंशी चार।

जिज्ञासुः ये अष्ट देव होगा।

बाबाः अष्ट देव हुए।

दूसरा जिज्ञासुः चंद्रवंशी चार मणके वो तो फीमेल है ना। तो देव क्यों बोला गया? चार फीमेल चार मेल।

बाबाः प्रधानता किसकी है? फीमेल अपने को मेल में मर्ज करके रखती है या उसको क्रॉस करके रहती है? मर्ज करके रखेगी।

दूसरा जिज्ञासुः लेकिन ब्रह्मा सो विष्णु बनेंगे तभी तो पालना देंगे ना।

बाबाः हाँ, जी।

Student: So, does that mean there are four from *Vijaymala* and four from *Rudramala*.
Baba: There are four *Suryavanshi* and four *Chandravanshi*.
Student: These will be the eight deities.
Baba: These are the eight deities.
Second student: The four *Chandravanshi* beads are females, aren't they? So, why are they called *dev* (male deities)? There are four *female* and four *male*.
Baba: Who is dominant? Does the *female* merge herself in the *male* or does she *cross* him? She will *merge* herself.
Second student: But they will give sustenance only when they transform from Brahma to Vishnu, will they not?
Baba: Yes.

समयः 01.05.36-01.06.40

जिज्ञासुः अष्ट देव का जो पहले आइडिया था....

बाबाः आइडिया तो एक ही होता है। मुरली का आइडिया एक ही है शुरुआत से लेकर अब तक। लेकिन समझने वालों की बुद्धि अपनी-अपनी अलग-अलग होती है। शास्त्र तो एक ही है। वो ही

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

गीता यज्ञ के आदि में भी सुनाई जाती थी। उस समय जो अर्थ दिये जाते थे वो सात्विक अर्थ थे। वो ही गीता अंत में भी उसके अर्थ किये जावेंगे। बीच में ये घपला पैदा हो जाता है। तो समझने वालों की बुद्धि का अंतर है या समझाने वाले की कमी है? मुरली में भी सन् 76 बोला हुआ था। समझने वालों ने तो अपना आइडिया लगा लिया। बाद में समझाने वाले ने अपना आइडिया बता दिया। तो असली आइडिया क्या है?

Time: 01.05.36-01.06.40

Student: The earlier idea of the eight deities was….

Baba: There is only one *idea*. The idea in the Murli is the same from the beginning till now. But the intellect of the people who understand is different. The scripture is the same. The same Gita was narrated in the beginning as well. The clarifications given at that time were also pure. The same Gita will be clarified in the end as well. This confusion arises in between. So, is it a difference of the people's understanding or is it a weakness of the one who explains it? The year 1976 was mentioned in the Murli as well. The people understood it in their own ways. Later on the one who explains gave his *idea*. So, what is the true *idea*?

समयः 01.06.48-01.07.10

जिज्ञासुः बाबा, अभी जो प्रतिदिन जो इतना मारकाट मर रहा है इतना अकाल मृत्यु हो रहा है, इतना एक्सिडेंट हो रहा है, सब कुछ हो रहा है तो फिर ये क्या दुबारा जनम लेके 36 साल तक रहेगा ?

बाबाः क्यों नहीं रहेंगे?

जिज्ञासुः ये सब कुल मिला के फिर दुबारा जन्म हो जाएगा?

बाबाः हो सकता है उनमें से फिर कोई दुबारा जन्म ले ले। अकाले मृत्यु होने के बाद, सूक्ष्म शरीर धारण करने के बाद दुबारा जन्म नहीं होता है क्या?

Time: 01.06.48-01.07.10

Student: Baba, the bloodshed that is taking place, people are dying every day, so many untimely deaths are taking place, so many accidents are taking place, and everything is happening so, will they be born again and remain till 36 years?

Baba: Why not?

Student: Will they all be reborn?

Baba: It is possible that some of them will be born again. Are they not born again after untimely death, after taking on a subtle body?

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info